रूसी छात्रों ने सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभव लिए

■ यूपीईएस में इंडिया इमर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूपीईएस में इंडिया इमर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान यूपीईएस में रूसी छात्रों ने व्यावहारिक सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभवों को बखूबी जिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विविध संस्कृतियों, व्यावसायिक प्रथाओं व सामाजिक संदर्भों से अवगत कराकर एक अनोखा व समृद्ध अनुभव प्रदान करना था।

यूपीईएस के बिधौली व कंडोली स्थित परिसरों में आयोजित इंडिया इमर्शन प्रोग्राम के तहत विश्वविद्यालय ने रूस में नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी हायर स्कूल आफ इकोनमिक्स (एचएसई विश्वविद्यालय) के 13 छात्रों व

यूपीईएस में रूसी छात्रों का बल।

चार फैकल्टी सदस्यों का स्वागत किया। 15 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान रूसी छात्रों ने विभिन्न सत्रों में आसपास के स्कूलों, गांवों व गैर सरकारी संगठनों का दौरा किया।

भारत के जीवंत नागरिक समाज परिदृश्य और सामाजिक मुद्दों पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय ने पर्यावरणविद् व हिमालय पर्यावरण अध्ययन और संरक्षण संगठन के संस्थापक पद्म भूषण डा.अनिल प्रकाश जोशी की एक कार्यशाला का भी आयोजन किया, जिसमें गैर सरकारी संगठनों, सामुदायिक संगठनों समेत भारत के विविध नागरिक समाज, पर्यावरणीय व मानवीय चुनौतियों से निपटने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का अवलोकन प्रस्तुत किया गया।

यूपीईएस स्कूल आफ लिबरल स्टडीज के डीन डा.शुभाशीष गंगोपाध्याय के सेशन में छात्रों को भारत के आर्थिक सुधारों के बारे में जानने का भी अवसर मिला। सेशन में आर्थिक सुधारों के इतिहास, महत्व व संभावनाओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा एक अन्य सेशन भारत के कारपोरेट परिदृश्य में पर्यावरण, सामाजिक वस शासन की बढ़ती प्रमुखता पर केंद्रित था। इसके अलावा यूपीईएस ने छात्रों को शारीरिक व मानसिक रूप से तरोताजा होने का मौका देने के लिए ऋषिकेश व मसूरी में खेल गतिविधियों व योग रिट्रीट का भी आयोजन किया।